

मेरे दो दोस्तों
गणेशचरण-चंद्रना
द्वारा

17/18 वादी अथ आद्योपस्था उप(वादी ने शास्त्रीय
में कांठेह किया कि यह आपने आर को सुने
गद्य-यमगा राखा। जसांकेरु वर स्वार्थ
किया जाया है पाठना कि एक सुमार दोपहर
गमक ले काम से करे वर कर्मात्म जोरु
गठार है। अ